ISWK SHARING KNOWLEDGE

Class VII

Subject- Hindi Second Language

Topic-

By- नीलम सौंखला

©ISWK

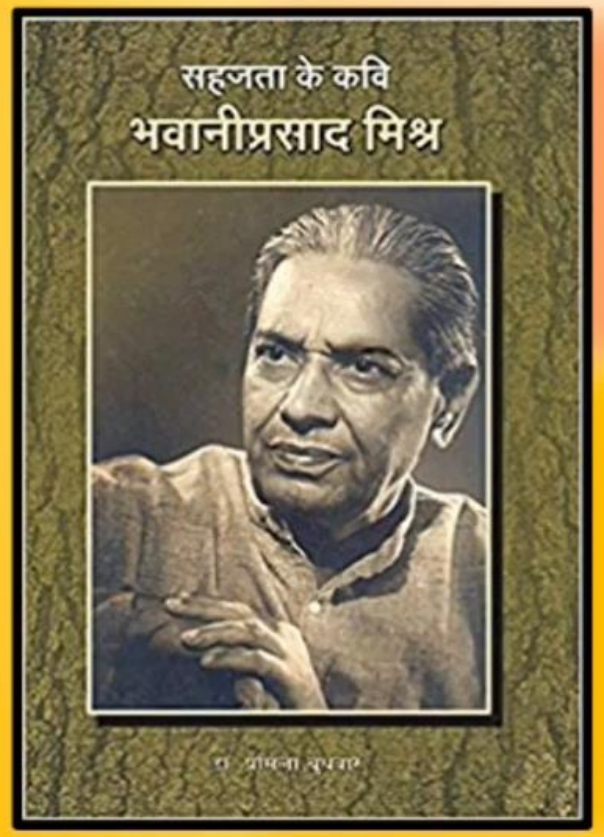

वसंत भाग 2
कक्षा 7
पाठ 4
कठपुतली
- भवानीप्रसाद मिश्र -

*कठपुतली (Kathputli)
काठ (wood) + पुतली (doll)

*राजस्थान की प्राचीन लोक कला

A native art form of Rajasthan.

*मनोरंजन का साधन

Source of entertainment.

*नैतिक और सामाजिक जागरूकता का माध्यम

Contributes to the spread of social and moral awareness.

कठपुतली – कविता का उद्देश्य

- स्वतंत्र रहना कौन नहीं चाहता ?

  सभी अपने प्रतिबंधों से मुक्त होकर अपनी इच्छा से जीना चाहते हैं ।

Everyone wants to be free.

Everyone wants to live a life free from all sorts of restrictions.

- स्वतंत्रता अपने साथ उत्तरदायित्व लेकर आती है- हमारी और उन सबकी जो हमारे साथ हैं ।
- Freedom comes with responsibility - towards ourselves and all those who are associated with us.

- आज़ादी के लिए संघर्ष करना और उसे प्राप्त करना अलग बात है,उसकी कीमत पहचानना और उसकी रक्षा करना अलग ।
- Freedom is invaluable. It's one thing to fight for it and achieve it and yet another thing to know its real value and to safeguard it.

कठपुतली – THE PUPPET

कठपुतली
गुस्से से उबली
बोली – ये धागे
क्यों हैं मेरे पीछे - आगे ?
इन्हें तोड़ दो ;
मुझे मेरे पाँवों पर छोड़ दो ।

सुनकर बोलीं और – और
कठपुतलियाँ
कि हाँ ,
बहुत दिन हुए
हमें अपने मन के छंद छुए ।

मगर ...
पहली कठपुतली सोचने लगी –
ये कैसी इच्छा
मेरे मन में जगी ?

*भवानीप्रसाद मिश्र

Press Esc to exit full screen

कठपुतली
गुस्से से उबली
बोली – ये धागे
क्यों हैं मेरे पीछे - आगे ?
इन्हें तोड़ दो ;
मुझे मेरे पाँवों पर छोड़ दो ।

- **कठपुतली** – puppet
- **धागे** – threads
- **गुस्से से उबली** – raged
- **पाँवों पर छोड़ दो** – to be self sufficient/independent

Press Esc to exit full screen

सुनकर बोलीं और –और कठपुतलियाँ

कि हाँ ,

बहुत दिन हुए

हमें अपने **मन के छंद** छुए ।

मन के छंद – inner feelings

मगर ...

पहली कठपुतली सोचने लगी –

ये कैसी **इच्छा**

मेरे मन में जगी ?

इच्छा - wish

कविता का सारांश - summary

कठपुतली को दूसरों के इशारों पर नाचने से दुःख होता है । अतः वह स्वतंत्रता के लिए विद्रोह करती हैं । वह अपने पाँव पर खड़ी होना चाहती है । उसकी बात सभी कठपुतलियों को अच्छी लगती है । वे भी उसके साथ विद्रोह करने के लिए तैयार हो जाती हैं । लेकिन जब पहली कठपुतली पर सबकी स्वतंत्रता की ज़िम्मेदारी आती है , वह सोच – समझकर कदम उठाना ज़रूरी समझती है ।

The puppet feels sad to dance according to the will of others . Frustrated and raged, she decides to struggle for independence without giving a second thought . But , when she realizes that all the other puppets were willing to join her in the struggle for freedom, she feels alarmed. She realized that she was not prepared to take the responsibility of others.

कविता का सारांश - summary

हमारे जीवन में भी अकसर कठपुतली जैसी परिस्थिति आती है जब हम स्वयं को प्रतिबंधों के धागों से बंधा महसूस करते हैं ।
हम उन धागों को तोड़कर अपने पैरों पर खड़े होना चाहते हैं ।
पर जब हम दूसरों को अपने साथ खड़ा पाते हैं तो उनकी ज़िम्मेदारी भी हम पर आ जाती है ।
ऐसी स्थिति में कोई भी निर्णय सोच – समझ कर लेना चाहिए ।

Like the puppet in the poem, many a times we too feel frustrated because of the restrictions on us. We have the urge to break away from all the restrictions and free ourselves. We forget the fact that there are people around us who also feel the same. They were just waiting for someone to take the initiative .

In such a situation , we must think before taking any decision. We must check if we are ready to make the change we wish for.

Are we capable of taking that ' Big step' ?

Are we ready to accept the challenges?

Are we strong enough for it?

कविता से क्या सीखा ?

*संघर्ष करने से पहले स्वयं को उसके लिए सक्षम बनाएँ ।

Make yourself strong and capable enough to face the challenges before you struggle for a change .

*जब हम पर स्वयं के साथ दूसरों की भी जिम्मेदारी का दायित्त्व हो , तो सोच –समझकर कदम उठाएँ ।

Do not take any decision in haste.

Whatever decision we take ,make sure that it is in the best interest of others.

पुनरावृत्ति

- कठपुतली को गुस्सा क्यों आया ?
- पहली कठपुतली का साथ किसने दिया ?
- दूसरी कठपुतलियों ने क्या कहा ?
- दूसरी कठपुतलियों की बात सुनकर पहली कठपुतली ने क्या सोचा ?
- 'कठपुतली' कविता से आपने क्या सीखा ?

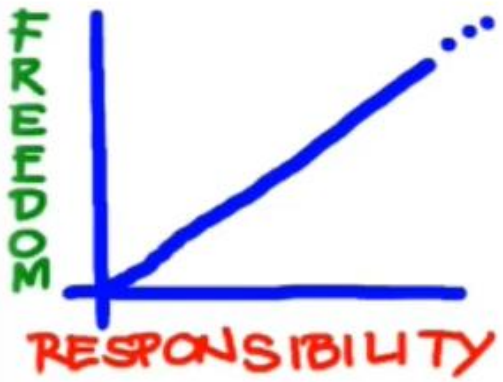

घर में रहें , सुरक्षित रहें और स्वस्थ रहें

धन्यवाद---